होर्मुज पर अमेरिका ने बिछाया पहरा, राष्ट्रपति ट्रंप ने नौसेना को दिया कड़ी नाकेबंदी का आदेश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब एक नए मोड़ पर आ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के अड़ियल रुख पर कड़ी नाराजगी जताते हुए स्पष्ट किया है कि यदि ईरान बातचीत की मेज पर वापस नहीं लौटता, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

पाकिस्तान में हाल ही में संपन्न हुई वार्ता के बेनतीजा रहने के बाद ट्रंप ने ईरानी बंदरगाहों और समुद्री मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर सख्त रुख अख्तियार कर लिया है और नौसेना को नाकेबंदी का आदेश भी दे दिया है। मैरीलैंड के जॉइंट बेस एंड्रयूज पर पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, मुझे परवाह नहीं है कि वे बातचीत के लिए वापस आते हैं या नहीं। अगर वे नहीं आते, तो भी मुझे कोई दिक्कत नहीं है। ट्रंप ने ईरान पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि तेहरान ने होर्मुज जलमार्ग को खुला रखने का वचन दिया था,

जिसे उसने पूरा नहीं किया। इस फैसले के कारण आज पूरी दुनिया को आर्थिक मुश्किलों और पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप ने ईरान के उन दावों को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ईरान ने समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछा रखी हैं। ट्रंप ने कहा कि हकीकत यह है कि ईरान की नौसेना पूरी तरह तबाह हो चुकी है और वह केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों का उल्लंघन कर रही है। राष्ट्रपति ने अमेरिकी नौसेना को निर्देश दिया है कि अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में उन सभी पोतों को रोका जाए जिन्होंने ईरान को अवैध शुल्क चुकाया है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अवैध शुल्क देने वालों को समुद्र में सुरक्षित मार्ग नहीं दिया जाएगा। विवाद की मुख्य जड़ परमाणु मुद्दे पर असहमति है। ट्रंप ने दोहराया कि तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं ही शांति के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा हैं। दूसरी ओर, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने पलटवार करते हुए चेतावनी दी है कि होर्मुज पूरी तरह उनके नियंत्रण में है और अमेरिका का कोई भी गलत कदम उसे घातक भंवर में फंसा सकता है। वर्तमान में ट्रंप के पास तीन मुख्य विकल्प हैं पहला बातचीत का रास्ता खुला रखना, दूसरा सैन्य कार्रवाई को तेज करना और तीसरा होर्मुज की पूर्ण नाकेबंदी करना। चूंकि दुनिया का 20 प्रतिशत तेल इसी मार्ग से गुजरता है, इसलिए किसी भी कड़े कदम का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और तेल की कीमतों पर पड़ना तय है। फिलहाल, ट्रंप को उम्मीद है कि दबाव के चलते ईरान अंततः उनकी शर्तों पर समझौते के लिए मजबूर होगा।

होर्मुज का विवाद सुलझा नहीं, और लाल सागर में बढ़ने लगा तनाव, जहाज पर हुआ हमला

तेहरान (एजेंसी)। होर्मुज मार्ग को लेकर चल रहे तनाव का कोई समाधान निकलता इससे पहले एक और समुद्री संकट खड़ा हो गया। एक तरफ जहाँ सामरिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में पूर्ण नाकेबंदी की आहट है, वहीं दूसरी ओर लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर सशस्त्र हमलों ने वैश्विक व्यापारिक बिरादरी की चिंताएँ बढ़ा दी हैं। ताजा घटनाक्रम में, यमन के अल हुदैदा तट से करीब 54 नॉटिकल मील दूर समुद्र में एक जहाज को हथियारों से लैस हमलावरों के समूह ने घेर लिया, जिससे क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए हैं। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को करीब 10 से 12 लोगों के एक समूह ने, जिनमें से 4-5 लोग स्वचालित हथियारों से लैस थे, एक जहाज को रोकने की कोशिश की। हमलावरों ने जहाज पर चढ़ने का प्रयास किया, लेकिन कप्तान की सूझबूझ और बहादुरी से एक बड़ा हादसा टल गया।

ग्वादर के पास पाकिस्तानी नेवी के जहाज पर हमला, बलूच संघर्ष से जुड़ा मामला

पहली बार समुद्री क्षेत्र में निशाना बनी पाक सेना, सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान क्षेत्र में जारी संघर्ष अब लग रहा है कि समुद्र तक पहुंच गया है। दरअसल रविवार को अरब सागर में ग्वादर के पास पाकिस्तानी नौसेना के एक जहाज पर हमला किया गया, जिसमें कम से कम तीन नौसैनिकों की मौत हो गई। यह घटना इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि पहली बार बलूचिस्तान के पास समुद्री क्षेत्र में इस तरह का हमला हुआ है। स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, जिवानी खाड़ी के पास खुले समुद्र में इस हमले को अंजाम दिया गया। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इसके पीछे बलूचिस्तान में सक्रिय विद्रोही गुट हो सकते हैं, जो लंबे समय से पाकिस्तानी सेना के खिलाफ सशस्त्र अभियान चला रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह हमला रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील इलाके में हुआ है। ग्वादर पोर्ट न केवल पाकिस्तान के लिए, बल्कि क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। खासतौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच यह इलाका वैकल्पिक समुद्री मार्ग के रूप में उभर रहा है। ऐसे समय में समुद्र के भीतर हुआ यह हमला अंतरराष्ट्रीय व्यापार और समुद्री सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बन गया है।

जलती चिता पर लेटकर युवक ने की आत्महत्या

जबलपुर। जिला मुख्यालय से लगभग 42 किलोमीटर दूर ग्राम खितौला में हिरन नदी के तट पर स्थित श्मशान घाट में एक जलती चिता पर कूदकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम को खितौला श्मशान घाट में एक मृतक का अंतिम संस्कार किया गया था। रस्मों को पूरा करने के बाद परिजन चिता को जलती हुई अवस्था में छोड़कर अपने घर लौट आए थे। इसी बीच, रात के करीब 3 बजे सिध्दू कोल उर्फ शुभम कोल उम्र 27 वर्ष, जो खितौला का निवासी था, बिना किसी को बताए अचानक अपने घर से लापता हो गया।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख की रेस में 4 उम्मीदवार

इतिहास में पहली बार महिलाएं भी दौड़ में आगे

जेनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के 80 साल के इतिहास में इस बार पहली बार शीर्ष पद पर महिला नेतृत्व की संभावना मजबूत होती दिख रही है। मौजूदा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल दिसंबर में समाप्त हो रहा है और उनके उत्तराधिकारी के चयन की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस बार चार

उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, जिनमें दो महिलाएं प्रमुख दावेदार के रूप में सामने आई हैं। इन दो महिला उम्मीदवारों में मिशेल बैचलेट और रेबेका ग्रिनस्पैन शामिल हैं। दोनों ही अपने-अपने देशों में उच्च पदों पर रह चुकी हैं और वैश्विक मंच पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं।

मां वैष्णो देवी यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल मां वैष्णो देवी मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन परिसर और यात्रा मार्गों तक हर जगह भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है। जयकारों और भक्ति भाव से पूरा क्षेत्र उत्सवमय माहौल में डूबा नजर आ रहा है। रविवार सुबह से ही कटड़ा के पंजीकरण काउंटरों पर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। श्रद्धालु नए तारा कोट मार्ग और दर्शनी ड्योढ़ी प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच और पंजीकरण प्रक्रिया के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए।

आगरा मेयर का वीडियो वायरल

आशा भोसले को हंसते हुए दी श्रद्धांजलि, नाम भी लिया गलत

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा की मेयर हेमलता दिवाकर एक वायरल वीडियो को लेकर विवादों में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहे इस वीडियो में मेयर प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले को श्रद्धांजलि देती नजर आ रही हैं, लेकिन इस दौरान उनकी कुछ तथ्यात्मक गलतियां और व्यवहार चर्चा का विषय बन गया है।

दरअसल, यह घटना भाजपा के ब्रज प्रांत कार्यालय में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' कार्यक्रम के दौरान की है, जहां कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य की अनुपस्थिति में मेयर मीडिया से बातचीत कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने आशा भोसले को लेकर बयान दिया, जो अब विवाद का कारण बन गया है। करीब 47 सेकेंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि मेयर पहले अपने साथ मौजूद लोगों से हंसते हुए पूछती हैं कि आशा भोसले सिंगर थीं या नहीं।

पुष्टि मिलने के बाद भी वह असमंजस में नजर आती हैं। इसके बाद श्रद्धांजलि देते समय उन्होंने उनका नाम भी गलत उच्चारित करते हुए 'आशा घोसले' कह दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 'श्रीमती आशा घोसले आज गोलोकवासी हो गई हैं', जिससे भ्रम की स्थिति और बढ़ गई। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई यूजर्स ने मेयर की जानकारी और गंभीरता पर सवाल उठाए हैं, जबकि कुछ ने इसे सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए गैर-जिम्मेदाराना बताया है। हालांकि, इस पूरे मामले पर मेयर की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कैबिनेट में फेरबदल या मुख्यमंत्री बदलने की कवायद को लेकर दिल्ली में डाला डेरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के भीतर कैबिनेट विस्तार और फेरबदल की मांग को लेकर असंतोष के स्वर उभरने लगे हैं। ताजा घटनाक्रम में करीब 30 वरिष्ठ कांग्रेस विधायक दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार पर दबाव बढ़ता दिख रहा है।

ये विधायक दिल्ली में आलाकमान, विशेषकर राहुल गांधी से मुलाकात कर कैबिनेट में जगह देने की गुहार लगा सकते हैं। या फिर मुख्यमंत्री बदलने की प्रक्रिया का हिस्सा होने की भी आशंका जताई जा रही है। विधायकों के इस कदम का मुख्य उद्देश्य कैबिनेट में नए चेहरों को शामिल करवाना है। कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने इस गुट की मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि कई ऐसे नेता हैं जिन्हें तीन से पांच बार मंत्री बनने का मौका मिला है। अब समय आ गया है कि उन वरिष्ठ सदस्यों को अवसर दिया जाए जो अब तक वंचित रहे हैं। वहीं, विधायक अशोक पाटन ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ने पहले दो साल बाद बदलाव के संकेत दिए थे, लेकिन अब तीन साल बीत जाने के बाद भी फेरबदल का इंतजार बना हुआ है।

हैरानी की बात यह है कि केवल अनुभवी नेता ही नहीं, बल्कि पहली बार जीतकर आए विधायक भी मंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी मजबूती से पेश कर रहे हैं। मांड्या से विधायक रविकुमार गौड़ा ने बताया कि लगभग 38 नए विधायकों ने नेतृत्व को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रस्तावित फेरबदल में उनमें से कम से कम पांच को मंत्री बनाया जाए। उनका तर्क है कि राज्य की सेवा के लिए नए दृष्टिकोण की भी आवश्यकता है। वरिष्ठ विधायकों की मांग है कि कम से कम 20 नए चेहरों को कैबिनेट में स्थान मिले। इस बीच, विपक्ष ने सत्तारूढ़ दल की इस आंतरिक खींचतान पर निशाना साधा है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने दावा किया कि यह दिल्ली यात्रा केवल मंत्री पद के लिए नहीं, बल्कि नेतृत्व परिवर्तन के दबाव का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायकों का एक गुट उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी कर रहा है, जबकि दूसरा गुट सिद्धारमैया को बनाए रखना चाहता है। हालांकि, दिल्ली गए विधायकों ने इसे केवल कैबिनेट में उचित प्रतिनिधित्व की मांग बताया है। अब सारा फैसला कांग्रेस आलाकमान और मुख्यमंत्री के हाथ में है कि वे इस असंतोष को कैसे शांत करते हैं।

कार्टून कोना....

कॉलेजों में 5 मई से शुरू होंगे एडमिशन

उच्च शिक्षा विभाग ने नए शैक्षणिक सत्र को लेकर पूरी की तैयारियां

भोपाल। मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा के नए शैक्षणिक सत्र को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विभाग ने इस वर्ष कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को समय से पहले शुरू करने का निर्णय लिया है।

प्रदेश के 1300 से अधिक सरकारी और निजी कॉलेजों में 5 मई से प्रवेश का पहला चरण प्रारंभ होगा। पंजीयन से लेकर दस्तावेज सत्यापन तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इस बार प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित और समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। विभाग ने दो

मुख्य काउंसलिंग चरण और तीन कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) चरण निर्धारित किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी चरणों को जुलाई माह तक पूरा कर लिया जाएगा, ताकि एक जुलाई से नियमित कक्षाएं शुरू हो सकें। पिछले वर्षों में प्रवेश प्रक्रिया में देरी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती थी, जिसे ध्यान में रखते हुए इस बार सख्त समय-सीमा तय की गई है। विभाग जल्द ही काउंसलिंग की समय-सारिणी जारी करेगा। बता दें कि मप्र बोर्ड 12वीं का परिणाम 15 अप्रैल को घोषित होने की संभावना है, जिसके तुरंत बाद छात्र प्रवेश के लिए तैयार रहेंगे।

कॉलेजों को पोर्टल पर अपडेट करनी होगी जानकारी

विभाग ने कॉलेजों को निर्देश दिए हैं कि वे सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करें। सीटों की उपलब्धता, विषयों की जानकारी और मेरिट सूची से जुड़ी सभी सूचनाएं अप्रैल अंत तक पोर्टल पर अपलोड कर दें। साथ ही कॉलेजों की उपलब्धियों व खूबियों की जानकारी भी अपडेट कर दें, जिससे विद्यार्थी ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकें।

विद्यार्थियों की सहायता के लिए बनेगा हेल्प डेस्क

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया को इस बार और अधिक सरल और सुविधाजनक बनाया गया है, जिससे विद्यार्थियों को आवेदन करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। साथ ही कॉलेजों और विभागीय स्तर पर हेल्प डेस्क और काउंसलिंग सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

स्वामी मेसर्स एसोसिएटेड प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स (एम.पी.) प्रा.लि. इंदौर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मोनिका सेठ द्वारा 17, न्यू देवास रोड (संजय गांधी मार्ग) इंदौर से मुद्रित एवं 5, प्रेस कॉम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित संपादक-मोनिका सेठ,
फोन नं. 3551753, 2434701, 2544433, समाचार पत्र से प्रकाशित समाचार के लिए सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा। समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार*